

Sl. No. of Ques. Paper : 7945

GC

Unique Paper Code : 12301102

Name of Paper : Sociology of India – I

Name of Course : B.A. (Hons.) Sociology

Semester : I

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी:— इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt one question from Part A and three questions from Part B.
Questions from Part A carry 20 marks and questions
from Part B carry 15 marks each.

भाग क में से एक प्रश्न तथा भाग ख में से तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
भाग क के प्रश्न 15 अंक के तथा भाग ख के प्रश्न 20 अंक के हैं।

PART A (भाग क)

1. Discuss how the administrative tradition helped in the emergence of an official view of Indian society.

भारतीय समाज के आधिकारिक विचार के उभरने में प्रशासनिक परंपरा किस प्रकार मदद करती है, विवेचना कीजिए।

2. Examine how the subaltern perspective is a critique of colonial and nationalist historiography.

उपनिवेश तथा राष्ट्रीय इतिहासलेखन का अधीनस्थ परिप्रेक्ष्य किस प्रकार से एक आलोचना है? परीक्षण कीजिए।

PART B (भाग ख)

3. Joan Mencher's study describes the caste system upside-down. Discuss with examples.

जोन मैशर के अध्ययन ने किस प्रकार से जाति व्यवस्था का औंधा (ऊपर का भाग नीचे की ओर) का वर्णन किया है। उदाहरणों द्वारा विवेचना कीजिए।

4. Critically examine the contribution of Daniel Thorner in the understanding of the agrarian social structure in India.

डैनियल थोरनर द्वारा प्रस्तावित भारत में कृषक सामाजिक संरचना के स्वरूप का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. Write an essay on the relationship between tribes and the wider society.

जनजातियों तथा वृहद समाज के बीच संबंधों पर एक निबंध लिखिए।

6. Discuss the principles along which Northern Indian kinship systems function.

उत्तरी भारतीय नातेदारी व्यवस्था के सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

7. Examine the role of text and context in a comprehensive understanding of Hinduism.

हिन्दुवादिता की व्यापकता को समझने में मूल-पाठ प्रसंग की भूमिका का परीक्षण कीजिए।